वार्तालाप-593, कलकत्ता, दिनांक 03.07.08
Disc.CD No.593, dated 03.07.08 at Calcutta
Extracts-Part-1

समयः 00.01-05.20

जिज्ञासुः बाबा, पानी का आदि होता है ना।

बाबाः पानी का?

जिज्ञासुः भूमि का जल, बरसात का जल, ऐसे कौनसा जल आदि है?

बाबाः कौनसा जल आदि है? आदि का मतलब होता है एक तो बिगिनिंग, शुरुआत का। और एक आदी का अर्थ होता है अभ्यस्त, प्रैक्टाइज़्ड। कौनसे आदि की बात कर रहे हैं?

जिज्ञासुः बिगिनिंग।

बाबाः जो पानी है वो दो तरह का है। एक तो है स्थूल जल। जो स्थूल जल होता है उसका आधार धरणी होती है। क्या? जल कहाँ टिकेगा? आसमान में टिकेगा? हवा में टिकेगा? आग में टिकेगा या धरणी पर टिकता है? धरणी पर ही टिकता है। यज्ञ के आदि में ज्ञान जल कहाँ से आया दुनिया वालों के पास? और मध्य में भी कहाँ से आता है? देने वाला निमित्त कौन बनता है? जो देने वाला निमित्त बनता है वो जब चाहे तो सबसे ले भी सकता है कि नहीं? हँ? (जिज्ञासु- हाँ) तो जिसको महाकाली कहा जाता है वो महाकाली सबकी बुद्धि को घुमा देती है। महाकाली माने? पृथ्वी माता। सतयुग के आदि में होती है गौरी और कलियुग अंत में बन जाती है महाकाली। तो ज्ञान जल उसका आधार है।

Time: 00.01-05.20
Student: Baba, there is a beginning (*aadi*) of water, isn't it?
Baba: Of water?
Student: Land water, rain water; which water is the original (*aadi*) water?
Baba: Which water is *aadi*? One meaning of *aadi* is beginning, starting. And one *aadi* means practiced. Which *aadi* are you talking about?
Student: Beginning.
Baba: Water is of two kinds. One is physical water. The base of the physical water is land. What? Where will water stand? Will it stand in the sky? Will it stand in air? Will it stand in fire or will it stand on land? It stands on land. In the beginning of the *yagya* how did the water of knowledge reach the people of the world? And where does it come from in the middle? Who becomes instrumental in giving? Can the one who becomes instrumental in giving take from everyone or not? Hm? (Student: Yes) So, the one who is called Mahakali turns everybody's intellect. What is meant by Mahakali? Mother Earth. In the beginning of the Golden Age she is fair (*gauri*) and in the end of the Iron Age she becomes Mahakali (the darkest one). So, the water of knowledge is her base.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

लेकिन ज्ञान जल भी दो प्रकार का है। एक सतोप्रधान और एक? तमोप्रधान। माता भी दो प्रकार की है। एक श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ धरणी। क्या नाम है उसका? अभी मुरली में भी आया। भारत माता। और एक है नम्बरवार धरणियाँ। जो नम्बरवार धर्मखण्ड कहे जाते हैं। वो लास्ट तक आते रहते हैं। इसलिए ड्रामा बना हुआ है। लास्ट में वो फर्स्टक्लास धरणी प्रत्यक्ष होगी। और चारों ओर सतोप्रधान ज्ञान फैल जाएगा। दुष्ट संकल्पों की भी मिक्सचरिटी होगी। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) बरसात का पानी भाप बन करके आता है। उसको कहते हैं डिस्टिल्ड वाटर। क्या? पहले सागर गरम होता है। गरम होकरके पानी भाप बनता है। फिर सतोप्रधान जल बन जाता है। वो सतोप्रधान जल पहले हिमालय जैसे पहाड़ों से टकराता है। फिर पानी बनकरके बरसता है। यहाँ भी ज्ञान जल पहले कहाँ-कहाँ से आया? हिमालय है ब्रह्मा। और ब्रह्मा रूपी हिमालय से ज्ञान सागर परमपिता परमात्मा का वाष्प रूपी जल टकराया। और टकराके बादलों के रूप में बरस पड़ा। इसलिए दो देवताएं निमित्त बनते हैं। इन्द्र देव, वरुण देव। जिनको शास्त्रों में कहते हैं - इन्द्रावरणौ।

But the water of knowledge is also of two kinds. One is *satopradhan* and one? *Tamopradhan*. Mothers are also of two kinds. One is the highest land. What is its name? It has been mentioned in Murli just now. *Bharat Mata* (Mother India). And one are numberwise lands, which are called numberwise religious lands. They keep coming till the last. This is why a drama is fixed. That first class land will be revealed in the last. And the *satopradhan* knowledge will spread everywhere. There will be a mixturity of wicked thoughts as well. (Student said something) The rain water comes as vapours. That is called distilled water. What? First the ocean heats up. After heating up, the water becomes vapour. Then it becomes pure water. That pure water initially collides with Himalaya like mountains. Then it falls in the form of water. Even here, where did the water of knowledge come first of all from? Himalay is Brahma. And the vapour like water of the ocean of knowledge, the Supreme Father Supreme soul collides with Himalay like Brahma. And after colliding, it falls in the form of clouds. This is why two kinds of deities become instrumental. Indra Dev, Varun Dev who are called 'Indravarnau' in the scriptures.

समयः 06.00-11.13

जिज्ञासुः ब्राह्मणों में पास होने वाला सूर्य वंशी बनता है।

बाबाः जो फुल पास होते हैं वो सूर्यवंशी बनते हैं। जो फेल हो जाते हैं वो चन्द्रवंशी बनते हैं।

जिज्ञासुः प्रत्यक्ष जब हो जाते हैं उसी का नाम है क्या?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः चन्द्रवंशी भी प्रत्यक्ष होते हैं, सूर्यवंशी भी प्रत्यक्ष होते हैं।
दूसरा जिज्ञासुः कैसे समझेंगे कि ये सूर्यवंशई है ये चन्द्रवंशी है, ऐसा पूछा है।
बाबाः जो फेल हो गए वो चन्द्रवंशी। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) अभी एडवांस नॉलेज लेने में कौन पास हो गए? अन्दर वाले रह जावेंगे। बेसिक नॉलेज समझ लो चल रही थी 76 तक और उसमें मुरली में बोला अन्दरवाले रह जावेंगे और बाहरवाले? ले जावेंगे। तो कौनसे अन्दर वाले रह गए, फेल हो गए? जो विजयमाला की आत्माएं जो कही जाती हैं वो रह गईं या पास हो गईं? रह गईं। तो पता है वो फेल हो गए। ज्ञान के सब्जेक्ट में फेल हो गए या पास हो गए? अभी कहेंगे फेल हो गए। अन्दर वाले रह गए। जितने भी सरेन्डर हैंड्स थे, अन्दर-अन्दर रहे पड़े थे, सब फेल हो गए। और जो घर-गृहस्थ की कीचड़ में रहने वाले थे वो सब? वो सब पास हो गए। तो कौन चन्द्रवंशी हो गए और कौन सूर्यवंशी हो गए? एडवांस में आने वाले सब सूर्यवंशी पास हो गए।

Time: 06.00-11.13
Student: Those who pass among Brahmins become *Suryavanshi*.
Baba: Those who pass fully become *Suryavanshi.* Those who fail become *Chandravanshi.*
Student: Is it their name when they are revealed?
Baba: The *Chandravanshis* are also revealed; the *Suryavanshis* are also revealed.
Second student: He is asking as to how we can understand that this one is *Suryavanshi*, this one is *Chandravanshi.*
Baba: Those who failed are *Chandravanshi*. (Student said something) Who passed now in obtaining advance knowledge? The insiders will fail. Suppose the basic knowledge was going on till 1976 and in the Murlis it was mentioned that the insiders will fail and the outsiders will pass. So, which insiders failed? Did the souls of *Vijaymala* fail or pass? They failed. So, you know that they failed. Did they fail in the subject of knowledge or did they pass? Now it will be said that they failed. The insiders failed. All the surrender hands, who were living inside failed. And those who were living in the muck of household passed. So, who is *Chandravanshi* and who is *Suryvanshi*? All those who enter the path of advance knowledge, i.e. the *Suryavanshis* passed.

जिज्ञासुः इम्तेहान तो हुआ नहीं अभी तक।
बाबाः तो कैसे हो गए पास? पास हो जाते हैं तो क्लास ट्रांसफर नहीं होता है? पता नहीं चला? क्लास ट्रांसफर होता है तो स्थान भी चेंज हो जाता है। टीचर्स भी? चेंज हो जाते हैं। सुप्रीम टीचर भी देखने में आया, पहले हम ब्रह्मा को सुप्रीम टीचर समझते थे। अब ब्रह्मा सुप्रीम टीचर के रूप में हमारे सामने है? कि स्टूडेन्ट के रूप में है? वो स्टूडेन्ट हो गया। तो पता नहीं चला? पता चल गया। अभी फिर ऐसे ही होगा। क्या कहा? क्या?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

एडवांस पढ़ाई चल रही है। एडवांस पढ़ाई में भी वो ही फिकरा लागू होगा। अन्दरवाले रह जावेंगे और बाहरवाले ले जावेंगे।

Student: The examination has not been held so far.

Baba: So, how did you pass? Is the class not transferred when you pass? Did you not come to know? When the class is transferred, then the place also changes. The teachers, too? Change. Even regards the supreme teacher, earlier we used to consider Brahma to be the supreme teacher. Is Brahma in front of us as a supreme teacher now? Or is he in the form of a student? He is student. So, did you not know? You have come to know. Now again it will happen like this. What has been said? What? The advanced studies are going on. The same rule will be applicable in the advance knowledge as well. The insiders will fail and the outsiders will pass.

दूसरा जिज्ञासुः इधर फिर बाहरवाले कौन होगा?

बाबाः यहाँ अन्दरवाले बैठे हुए हैं कि बाहरवाले बैठे हैं? (जिज्ञासु - बाहरवाले) हँ? यहाँ जो बैठे हैं वो अन्दरवाले बैठे हैं, बाप के सन्मुख वाले बैठे हैं या जो सन्मुख नहीं हैं वो बैठे हैं? (जिज्ञासु - सन्मुख वाले बैठे हैं) सम्मुख वाले अन्दरवाले हो गए ना। तो लड़ाई लड़ने में लगे हुए हैं आपस में ईर्ष्या में, द्वेष में। आपस में एक दूसरे से बात भी नहीं करते। मिलना-जुलना भी नहीं चाहते। संगठन में भी नहीं आना चाहते। गीतापाठशाला में भी मुँह दिखाने नहीं जाना चाहते। ऐसे हो रहा है कि नहीं हो रहा है? हो रहा है। ये इम्प्युरिटी की निशानी है या प्युरिटी की निशानी है? इम्प्युरिटी की निशानी है। अभी ये प्रैक्टिकल परीक्षा होने वाली है। वो तो सिर्फ थियरी की ज्ञान की परीक्षा थी जो ब्रह्मा मुख से ज्ञान सुनाया। अभी तो ज्ञान को प्रैक्टिकल जीवन में कहाँ तक धारण किया है, कहाँ तक जीवन को पवित्र बनाया है, वो परीक्षा का प्रश्न पत्र आउट होने वाला है। जिसमें अन्दरवाले रह जावेंगे और बाहर वाले भी यह पढ़ाई पढ़ रहे हैं। ऐसा नहीं समझना। क्या? हँ? स्कूलों में, कॉलेजों में आजकल पढ़ाई पढ़ाई जाती है। प्राइवेट एक्जाम देने वाले भई होते हैं कि नहीं होते हैं? तो प्राइवेट वाले आगे निकल जावेंगे। ये भी वंडरफुल बात होने वाली है।

Second student: Then who are the outsiders here?

Baba: Are insiders sitting here or outsiders sitting here? (Student: Outsiders) Hm? Are those sitting here insiders, who are sitting face to face with the Father or are those who are not face to face sitting here? (Student: Those who are face to face are sitting here) Those who are face to face are insiders, aren't they? So, they are busy in fighting wars due to jealousy and hatred. They do not even talk to each other. They do not wish to meet each other. They do not even want to come to the *sangathan*. They do not wish to show even their faces. Is it happening like this or not? It is happening. Is this a sign of impurity or of purity? It is a sign of impurity. Now this practical test is going to take place. That

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

was just a theoretical test of knowledge which was narrated through the mouth of Brahma. Now the question paper of the examination that how far you have inculcated the knowledge in practical life, how far you have purified your life is going to be come out in which the insiders will fail and the outsiders are also studying this knowledge. Do not think that; what? Hm? Now-a-days knowledge is taught in the schools and colleges. Are there not those who give private exams? So, the private ones will gallop ahead. This wonderful thing is going to happen.

Extracts-Part-2

समयः 11.45-14.22

जिज्ञासुः बाबा 9 लाख लोग संदेश मिला सिंध, हैदराबाद में। तो वो सारे 9 लाख सिंध, हैदराबाद में थे? सारे 9,16,108 को संदेश मिले थे आदि में तो वह सब ही सिंध हैदराबाद में थे 9 लाख आत्माएं?

बाबाः हैदराबाद की आबादी ही जेनरेशन वहाँ का जेनरेशन ही शहर की 9 लाख थी।

दूसरा जिज्ञासुः उस समय?

बाबाः हाँ। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) टोटल पापुलेशन 9 लाख थी हैदराबाद की। घर-घर में संदेश मिल गया था अखबारों के द्वारा। अमेरिका तक अखबारों में वो संदेश चला गया कि पाकिस्तान में एक जौहरी है जो कहता है हमको 16 हज़ार रानियाँ चाहिए। 400 मिल गई हैं। तो हैदराबाद वालों को नहीं पता चला होगा? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) यहाँ जो भी आते हैं वो आदि वाले आते हैं या अंत वाले आते हैं या मध्य वाले आते हैं? (जिज्ञासु - आदि वाले) जरूर आदि वाले आते हैं।

Time: 11.45-14.22

Student: Baba, 9 lakh people got the message in Sindh, Hyderabad. So, were all those 9 lakh people living in Sindh, Hyderabad? 9,16,108 got the message in the beginning. So, were all those 9 lakh souls living in Sindh, Hyderabad?

Baba: The population, the generation itself of the city of Hyderabad was 9 lakhs.

Second student: At that time?

Baba: Yes. (Student said something) The total population of Hyderabad was 9 lakhs. The message reached every home through newspapers. That message reached up to America through newspapers that there is a jeweler in Pakistan who says that I want 16 thousand queens. I have found 400. So, did those from Hyderabad come to know? (Student said something) Whoever comes here, are they from the beginning or from the end or from the middle? (Student: Those from the beginning) Definitely those from the beginning come.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, पियु की वाणी कब तक चली?
बाबाः जब तक पियु जिन्दा रहा होगा तभी तक चली होगी। कोई 20 कोई 25 वर्ष के हो गये होंगे। सन् सडसठ की वाणी है सिक्स्टी सेवेन की। 67 में वो 25 वर्ष घटा दो। 42 आया। 42 तक वो पियु वाली आत्मा जीवित रही। जब तक जीवित रही तब तक वाणी चली। उसके चले जाने के बाद दूसरी आत्माएं निमित्त बनी, तो ब्रह्मा कोई एक तो नहीं है। ब्रह्मा एक है या अनेक हैं? अनेकों के नाम हैं ब्रह्मा।

Second Student: Baba, how long was the *Piu's vani* narrated?
Baba: It must have been narrated as long as Piu was alive. (It is mentioned in a Murli) Someone must have grown 20 years old and someone must have grown 25 years old. It is a vani dated sixty seven. Substract 25 years from 67. It comes to 42. That soul of Piu remained alive till 42. The Vani was narrated as long as he was alive. Other souls became instrumental (to narrate vani) after he departed; so Brahma is not one. Is Brahma one or many? Brahma is the name of many.

समयः 14.25-15.50
जिज्ञासुः बाबा, जब प्रजापिता का 76 में भ्रष्टाचार का नाश हुई थी, ऐसे हर आत्मा का भ्रष्टाचार और विकारों का अंत होना है। ये कब, कैसे पता चलेगा?
बाबाः जिसके अन्दर से खत्म होगा मन, बुद्धि जो है व्यर्थ में से निकल करके समर्थ संकल्पों में जाएगी तो उसे पता चलेगा या नहीं चलेगा? जो संकल्पों की दुनिया है जहाँ से दुनिया बनना शुरु होती है, नई दुनिया की शुरुआत प्रैक्टिकल में होगी, वाचा में शुरुआत होगी या पहले संकल्पों से शुरुआत होगी? नई दुनिया का फाउण्डेशन कैसे पड़ेगा? पहले संकल्पों से सृष्टि रची जाएगी या वाचा से रची जाएगी या प्रैक्टिकल कर्मेन्द्रियों से रची जाएगी? संकल्पों से सृष्टि ब्रह्मा ने रची।

Time: 14.25-15.50
Student: Baba, unrighteousness ended from Prajapita in 1976; similarly, unrighteousness and vices are to end in every soul. When and how will we know?
Baba: When the mind and intellect of someone becomes free (from unrighteousness and vices) and moves from wasteful thoughts to meaningful thoughts, then will he come to know or not? The world of thoughts, from where the creation of the world begins, will the new world commence in practical, in words or in thoughts first? How will the foundation for the new world be laid? Will the world be created through thoughts first or through words first or through practical organs first? Brahma created the world through thoughts.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 15.55-21.48

जिज्ञासुः बाबा, बड़मूड़ा ट्रायंगल क्या होता है?

बाबाः बड़ा माने बड़ा। मूल, मूल माने जड़। ब्राह्मणों की दुनिया में जो झाड़ है उसमें बड़े से बड़ी जड़ कौन है? कौनसे धर्म की जड़ सबसे बड़ी जड़ है? जो प्रायःलोप है, झाड़ में दिखाई नहीं गई है? लेकिन हम बच्चे जानते हैं कि ये झाड़ की जितनी भी जड़ें हैं उनमें सबसे बड़ी जड़ है। वो जड़ की यादगार वृक्ष बनाया हुआ है बनियन ट्री। बंगाल में खासकर कलकत्ता में जहाँ से रथ को पकड़ा। वो झाड़ को ऊपर से देखा जाए तो वो जड़ और तना दिखाई नहीं देता। प्रायःलोप है। लेकिन अगर उसकी खुदाई की जाए क्योंकि जितने भी ज्ञान दूध वाले वृक्ष होते हैं उनकी जड़ जहाँ नमी मिलती है, पानी मिलता है, वहाँ सुरक्षित रहती है। इसलिए जब कुआँ खोदा जाता है तो नीचे लकड़ी की गोलाई डाली जाती है। वो लकड़ी की गोलाई कौन से झाड़ की होती है? दूध वाले वृक्ष की गोलाई होती है। दूध वाला वृक्ष का जो जड़ है या जो लकड़ी है वो पानी में सड़ती नहीं है। पानी के बगैर रहेगी तो सड़ जाएगी। वो नमी में जीवित रहने वाली जो लकड़ी है पुराने वृक्ष की वो अभी भी उस वृक्ष की उस जड़ पर खुदाई की जाए गहराई में तो जड़ अभी भी मिलेगी। कलकत्ते में तो नमी अर्थात् पानी तो कितने फुट में मिल जाता है? अरे, 6-8 फुट पर ज्यादा से ज्यादा पानी मिल जाता है। कोई भई जाकरके वहाँ फावड़ा लेकरके खुदाई करो वो जड़ मिलेगी या नहीं मिलेगी? मिलेगी। तो वह हो गया बड़ा मूला।

Time: 15.55-21.48

Student: Baba, what is Bermuda triangle?

Baba: *Bara* means big. *Mool* means root. Which is the biggest root in the tree of Brahmin world? The root pertaining to which religion is biggest? It is the one which has almost disappeared and has not been shown in the tree. But we children know that it is the biggest root among all the roots of this tree. Banyan tree is the memorial tree of that root in Bengal, especially Calcutta from where this chariot was chosen. If you see that tree from above, then that root and stem is not visible. It has almost disappeared. But if it is dug up, because the roots of all the trees which produce the milk/sap of knowledge remain safe wherever they get moisture, water. This is why when a well is dug-up, a circular wooden plank is placed at the base of the well. That circular wooden plank is made up of the wood of which tree? It is prepared with the wood of a tree that produces sap. The root or wood of a tree that produces sap does not rot in water. It will rot if it remains out of water. That wood of the old tree that remains alive in humidity; if you dig deep, then you will find the root of that tree even now. At how many feet depth do you find humidity, i.e. water in Calcutta? Arey, you get water at a depth of at the most 6-8

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

feet. If anyone digs with a hoe (*favda*) will they find that root or not? They will. So, that is the big root.

जिज्ञासुः ट्रायंगल?

बाबाः ट्रायंगल माना एंगल बनाया जाता है। वो ब्रह्मा बाबा। ब्रह्मा अर्थात् कृष्ण की सोल। कृष्ण और किसकी राशि मिलाई जाती है? क्राइस्ट की। जो क्राइस्ट की दुनिया है उसका बड़े ते बड़ा फाउण्डेशन कौनसा देश है जहाँ क्रिश्चियन्स का बहुत बोलबाला है? (जिज्ञासु - इंग्लैण्ड) इंग्लैण्ड नहीं रह गया। इंग्लैण्ड पहले कभी था यूरोप। अभी अमेरिका हो गया है। क्या? दुनिया में अभी महाशक्तियों में नाम किसका बाला है? (जिज्ञासु - अमेरिका) अमेरिका का। वो अमेरिका की राजधानी का शहर कौनसा है? वाशिंगटन, न्यूयार्क। उसके नज़दीक है बड़ा मूला ट्रायंगल। उसके नज़दीक ही अड्डा जमाया हुआ है। वो भूत-प्रेतों का अड्डा है। वहाँ जो भी जाएगी, वो पावरफुल से पावरफुल एरोप्लेन क्यों न हो, पानी का जहाज क्यों न हो, जब्त हो जाएगा। जब्त हो गया है। इसलिए बड़े ते बड़े साइंटिस्ट चकरी में आए हुए हैं। अपने जहाज़ को पानी के जहाज को, हवा के जहाज को, हवाईजहाज को वहाँ से गुज़रने नहीं देते। बेहद की बात कहाँ की है? ब्राह्मणों की दुनिया की बेहद की बात है। ये आत्माएं भी ऐरोप्लेन हैं। क्या बेसिक नॉलेज में एरोप्लेन नहीं हैं? चैतन्य ऐरोप्लेन हैं या नहीं हैं? हैं। बड़े-बड़े ऐरोप्लेन हैं। लेकिन उनको वहाँ तक पहुँचने नहीं देते। कहीं ऐसा न हो, वहाँ जाएं और वहीं के वहीं डूब के रह जाएं। समझ में आता है? नहीं आता? आता है? हाँ।

Student: Triangle?

Baba: Triangle means an angle is formed. That Brahma Baba. Brahma, i.e. the soul of Krishna. Whose zodiac sign is matched with Krishna? Christ. Which country is the biggest foundation nation of the world of Christ, where Christians are in majority? (Student: England) It is no more England. Once upon a time, it was England, Europe. Now it is America. What? Which super power (*mahashakti*) is famous in the world at present? (Student: America) America. Which city is the capital of America? Washington, New York. The *Bada Mula* Triangle is situated close to it. It has set its camp close to it. It is a hang-out (*adda*) of ghosts and devils. Whatever goes there, be it the most powerful aeroplane or ship, it will sink. It has sunk. This is why the greatest scientists are baffled. They do not allow their ship, their aeroplane to pass through that area. This topic in an unlimited sense pertains to which time? It is an unlimited topic of the world of Brahmins. These souls are aeroplanes, too. Are there not aeroplanes in basic knowledge? Are there living aeroplanes or not? There are. There are big aeroplanes. But they do not allow them to pass through that place. It should not happen that they go there and sink. Do you understand? Don't you understand? Do you? Yes.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-3

समयः 21.50-26.35

जिज्ञासुः बाबा, लगातार दो जन्म स्त्री का या दो जन्म पुरुष का मिलता है, तो राम वाली आत्मा सेवकराम था, फिर वीरेन्द्र देव दीक्षित और अभी फिर सत्यनारायण बनेगा।

बाबाः ये वीरेन्द्र देव दीक्षित कहाँ से निकाल लिया? वो समझाओ पहले, फिर आगे बढ़ो।

जिज्ञासुः सेवकराम था ना बाबा।

बाबाः सेवकराम अथवा प्रजापिता नाम है, जिसमें भी प्रत्यक्ष होने वाला हो। वो प्रजापिता यज्ञ के आदि वाला। आदि में सो अंत में। जिस मुकर्रर रथ में भगवान बाप प्रत्यक्ष और सिद्ध होता हो। हाँ, तो?

जिज्ञासुः पहला जो हुआ सेवकराम हुआ। पुरुष चोला। फिर अभी भी पुरुष चोला। और नर से नारायण बनेगा वो भी पुरुष चोला ही होगा ना।

बाबाः वो चोला बदल जाएगा? नया जन्म होगा?

जिज्ञासुः एक जन्म काउंट होगा ना।

बाबाः एक ही जन्म तो काउँट हुआ यज्ञ के आदि का। वो 84वां जन्म भी है। क्या? साठ साल पूरे होने के बाद ही प्रवेशता हुई। तो वो बहुत जन्मों के अंत का जन्म हुआ। फिर अंत के जन्म के भी अंत का जन्म कहेंगे 76 में। क्योंकि साठ साल ब्रह्मा की आयु पूरी नहीं हुई।

Time: 21.50-26.35

Student: Baba, we get either two consecutive female births or two consecutive male births; so, the soul of Ram was Sevakram; then Virendra Deo Dixit and now again he will become Satyanarayana.

Baba: Where did you get this name Virendra Deo Dixit? First explain that; then proceed.

Student: Baba, there was Sevakram, wasn't he?

Baba: Be it Sevakram or Prajapita, through whomsoever He is going to be revealed. That Prajapita from the beginning of the *yagya*. Whoever was in the beginning is in the end. The appointed chariot in which God, the Father is revealed and proved. Yes, so?

Student: The first one was Sevakram,. That was a male body. Then, now it is a male body. And when he is transformed from a man to Narayan, then that will be a male body, too, will it not be?

Baba: Will that body change? Will it be a new birth?

Baba: It will be counted as one birth, will it not be?

Baba: Only one birth of the beginning of the *yagya* was counted. That is 84th birth as well. What? The entry (of Supreme soul) took place only after the completion of sixty years. So, it is the last birth among many births. Then it will be called the last birth/period of the last birth in 76 because Brahma's sixty years were not completed.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः सेवकराम का जो था 84वां जन्म सेवकराम का था।
बाबाः 36 में था। और 36 में 100 साल ब्रह्मा की आयु पूरी नहीं हुई। वो कब पूरी हुई? 76 में। तो बहुत जन्मों के अंत का भी अंत का जन्म हुआ। कब? 76 में। फिर नया जन्म कहेंगे। वो 21वां जन्म कहें या 84वां जन्म कहें? मन-बुद्धि रूपी आत्मा में परिवर्तन आया या नहीं आया? आया। वो 84वां जन्म हो गया। नया जन्म हुआ या फिर मरेगा? हद की मौत मरेगा या बेहद की अनिश्चय रूपी मौत मरेगा? मरेगा या नहीं मरेगा? नहीं मरेगा। तो बुह जन्मों के अंत के भी अंत का जन्म हुआ और साथ ही साथ एक्स्ट्रा आर्डिनरी जन्म भी हो गया। 85वां कह लो। कब तक? जब तक प्रत्यक्षता सम्पूर्ण नहीं होती है तब तक। फिर कहेंगे 21 जन्मों में से पहला जन्म। तो 21वां जन्म भी है, और साथ-साथ (किसी ने कुछ कहा) 84वां नहीं, 84वां जन्म तो खत्म हो गया। कब? 76 में। कृष्ण अर्थात् दादा लेखराज ब्रह्मा का भी 84वां जन्म खत्म हो गया। कब? 87 में। अब कहेंगे एक्स्ट्रा आर्डिनरी जन्म प्रत्यक्ष होने वाला है। वो भी जन्म दो प्रकार का होता है। एक होता है पेट में प्रवेशता। उसको जन्म कहें वास्तव में? वो जन्म नहीं है। पीपल के पत्ते पर गर्भ में छोटे बच्चे कृष्ण का चित्र दिखाते हैं। उसे गर्भ महल कहेंगे या सिर्फ प्रवेशता कहेंगे? क्या कहेंगे? हँ? अरे गर्भ में प्रवेश है या जन्म हुआ? प्रवेश है। 87 में। फिर प्रत्यक्ष भी होने वाला है। संगमयुगी कृष्ण के रूप में।

Student: Sevakram's birth was 84th birth.
Baba: That was in (19)34. And Brahma's 100 years age was not completed in 1936. When was it completed? In (19)36. So, it was the last one of many births. When? In 76. Then it will be called a new birth. Will it be called 21st birth or 84th birth? Did the mind and intellect like soul undergo transformation or not? It underwent. That was the 84th birth. Was it a new birth or will he die again? Will he die in a limited sense or will he die an unlimited death of faithlessness? Will he die or will he not? He will not die. So, it was the last birth of many births as well as the extraordinary birth. You can call it 85th (birth). Until when? Until the complete revelation takes place. Then it will be said the first birth among the 21 births. So, it is 21st birth as well as (someone said something) not the 84th birth; 84th birth ended. When? In 76. The 84th birth of Krishna, i.e. Dada Lekhraj also ended. When? In 87. Now it will be said that the extraordinary birth is going to be revealed. That is also of two kinds. One is entry in the womb. Will it be called a real birth? That is not birth. Small child Krishna's picture is shown in the womb on a fig leaf. Will it be called a palace-like womb or just entry (into womb)? What will it be called? Hm? *Arey*, is it called entry in the womb or is it a birth? It is entry. In 87. Then he is also going to be revealed in the form of Confluence Age Krishna.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 27.29-31.30

जिज्ञासुः बाबा, राम वाली आत्मा का मात-पिता कौन है?

बाबाः आत्मा का मात-पिता नहीं होता है। आत्मा का तो सिर्फ बाप ही होता है। आत्मा की, राम वाली आत्मा कहेंगे, उसका बेहद का बाप कौन है? जो तुम्हारा बाप, जो तुम्हारा बाप सो राम वाली आत्मा का बाप। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) हाँ ये कहो राम वाली आत्मा का संगमयुग में साकार में बाप कौन होता है? संगमयुग में साकार में बाप कौन है जो शास्त्रों में गाया हुआ है? राम के बाप का नाम क्या गाया हुआ है? हँ? दशरथ। जैसे कहते हैं दस सीस। तो कौन साबित होता है? दस सीस। दस सीस वाला कौन है दस सीस वाला? रावण। ऐसे ही दशरथ। माने रामवाली आत्मा वो बाद में प्रत्यक्षता रूपी जन्म लेती है। उससे पहले झाड़ में बैठे हुए दस रथ पहले ही प्रत्यक्ष हो जाते हैं। चित्र भी दिये हुए हैं। झाड़ के चित्र में दो गुप्त और 8 प्रत्यक्ष रथ बैठे हुए हैं या नहीं बैठे हैं? वो ही दस रथ हो गए।

Time: 27.29-31.30

Student: Baba, who are the parents of the soul of Ram?

Baba: A soul does not have parents. A soul has only a father. As regards a soul, call it the soul of Ram, who is his father in an unlimited sense? Whoever is your Father, whoever is your father is the Father of Ram's soul as well. (Student said something) Yes, you could ask who the father of Ram's soul is in a corporeal form in the Confluence Age. Who is his father in corporeal form in the Confluence Age famous in the scriptures? What is the name famous as the father of Ram? Hm? Dashrath. For example it is said – ten heads (*das sees*). So, who is proved to be that? Ten heads. Who has ten heads? Ravan. Similarly *Dashrath* (ten chariots). It means that the soul of Ram gets revelation like birth later on. Before him the ten chariots (*das rath*) sitting in the tree are already revealed. The pictures have also been shown. In the picture of the tree, two are incognito and are 8 chariots sitting in a revealed form or not? They are the ten chariots.

जिज्ञासुः वो तो दस रथ पिता ही हो गए। माता कौन?

बाबाः पिता ही हैं। उनको ज्ञान में जन्म देने वाले हैं। बिना बेसिक नालेज के एडवांस ज्ञान में आ जावेगी राम वाली आत्मा? आवेगी? हाँ, तो वो बाप हुए।

जिज्ञासुः वो तो बाप का नाम, माँ का नाम क्या?

बाबाः वो तीन प्रकार के हैं। क्या? उनमें एक है कैकयी। जिसके कई-कई पति हैं। एक ऐसी मम्मा भी है। दोगला पार्ट बजाती है। एक है कौशल्या। कुशलता का पार्ट बजाती है। योगः कर्मशु कौशलम्। कुशल बुद्धि है। एक है सुमित्रा। कैसी मित्र है? सुन्दर मित्र। सुन्दर फीमेल दोस्त है। धोखा देने वाली नहीं है। तीन प्रकार के धर्मों में से तीन प्रकार की

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

आत्माएं हैं। माता के रूप में। तीनों ही मिल करके कोई जन्म देती हैं, कोई पालना देती हैं। रामायण में उनको तीन नाम दिये हुए हैं - महाभारत या भागवत में भी उनको तीन नाम दिये हुए हैं। कौन-कौन हैं? हँ? अरे कृष्ण के साथ उसका भाई कौन दिखाया जाता है? बलराम। कृष्ण को एक जन्म देने वाली माता। कौन? देवकी। एक पालना देने वाली माता - यशोदा। और एक उसके भाई की माता। रोहिणी।

Student: So, those ten chariots are fathers only. Who is the mother?
Baba: They are fathers only. They give birth to him in knowledge. Will the soul of Ram enter the path of advance knowledge without obtaining the basic knowledge? Will it? Yes, so they are the fathers.
Student: That is about the father's name; what is the mother's name?
Baba: They are of three kinds. What? One of them is Kaikayi. The one who has many-many (*kayi-kayi*) husbands. There is one such mother as well. She plays a duplicate part. One is Kaushalya. She plays the part of efficiency (*kushalta*). *Yogah karmashu kaushalam*. She has an efficient intellect. One is Sumitra. What kind of a *mitra* (friend) is she? *Sundar mitra* (beautiful friend). She is not going to dupe. There are three kinds of souls from three kinds of religions in the form of mothers. Among the three one gives birth, one gives sustenance. They have been assigned three names in Ramayana. Even in Mahabharata or Bhagwat, they have been given three names. Who are they? Hm? *Arey* who is shown with Krishna as his brother? Balram. One mother gives birth to Krishna. Who? Devaki. One is the mother who gives sustenance. Who? Devki? One is the mother who gives sustenance – Yashoda. And one is his brother's mother. Rohini.

Extracts-Part-4

समयः 31.32-33.30

जिज्ञासुः बाबा, फुल बेगर टू फुल प्रिंस ये बात भाईयों पर लागू होता है, माताओं के ऊपर लागू होता है? कोई कोई भाई ऐसा बोलता है।

बाबाः माताजी को डर लग रहा है कहीं फुल बेगर माताओं को तो नहीं बनना पडेगा। हँ? अरे, ये आत्मा की बात है या स्त्री पुरुष की बात है? आत्मा ऐसा पार्ट बजाए - फुल बेगर टू फुल प्रिंस बने। पहले पूरा खाकीन हो जाए ईश्वरीय सेवा के अर्थ। तन तन नहीं, मन मन नहीं। और धन धन नहीं। तन, मन, धन, तीनों सम्पत्तियों में से मेरा कोई भी नहीं। सब कुछ तेरा। और प्रैक्टिकल में तेरा कर दे। सिर्फ कहने कहने के लिए नहीं। वो हो गए फुल प्रिंस नम्बरवार। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) माताएं अपने को माता की स्थिति में स्थित किये हुए हैं। तो रुद्र माला का मणका हैं? हैं? नहीं हैं। तो फुल प्रिंस कैसे बनेंगी? पहले तो देहभान नहीं खतम हो रहा है। मैं स्त्री हूँ। पहले ये देहभान खतम होना है कि

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

मैं क्या हूँ? मैं आत्मा हूँ। कंट्रोल करने के लिए तो फटाक से रुद्रमाला का मणका बनेंगे। पूरा परिवार हमारी मुट्ठी में रहे। देहभान जल्दी नहीं छूटता है।

Time: 31.32-33.30
Student: Baba, is 'full beggar to full prince' applicable to brothers or to mothers? Some brothers say so.
Baba: Mataji fears lest mothers will have to become full beggars. *Hm? Arey*, is it about the soul or about male or female? The soul should play such part that it changes from a full beggar to a full prince. First it should sacrifice itself completely for Godly service. It should not worry about the body; it should not worry about the mind; it should not worry about the wealth. Nothing out of the three assets, i.e. body, mind and wealth is mine (*mera*). Everything belongs to you (*tera*). And it should make it 'yours' (*tera*) in practical, not just for name sake. They are numberwise full princes. (Student said something). If the mothers feel themselves to be in the stage of mothers, then are they the beads of *Rudramala*? Hm? They aren't. So, how can they become full prince? First of all the body consciousness is not ending. I am a woman. First this body consciousness should end. What am I? I am a soul. When the question of controlling arises, then they become beads of *Rudramala* immediately. The entire family should be in my clutches. They are unable to shed the body consciousness soon.

समयः 33.40-34.50
जिज्ञासुः आत्मा रूपी सुई की सारी कट उतरने से डायरेक्ट बाप से सीखेंगे।
बाबाः आत्मा रूपी सुई की सारी कट उतरने से डायरेक्ट बाप से सीखोगे। हां।
जिज्ञासुः सुई क्या है?
बाबाः सुई माने आत्मा। सुई की नोक जितनी छोटी होती है, महीन होती है, ऐसे आत्मा भी बहुत महीन है। सुई की नोक में जैसे कट चढ़ी हुई होती है और चुम्बक रख दी जाए उसके पास तो पकड़ेगी कि नहीं पकड़ेगी? नहीं पकड़ेगी क्योंकि नोक के ऊपर कट चढ़ी हुई है। विकारों की, देहभान की। कट उतर जाए तो क्या होता है? सुई की नोक को वो चुम्बक चिपकाए लेगी।

Time: 33.40-34.50
Student: When the entire cut (i.e. rust) of the needle like soul is removed then you will learn directly from the Father.
Baba: When the entire cut (i.e. rust) of the needle like soul is removed then you will learn directly from the Father. Yes.
Student: What is needle?
Baba: Needle means the soul. Just as the tip of a needle is very small, very minute, similarly the soul is very minute. For example if the tip of a needle is covered by rust, and if a magnet is placed near it, then will it pull it or not? It will not pull because the tip is

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

covered by rust of vices, body consciousness. What happens when the cut (i.e. rust) is removed? That magnet will pull that tip of the needle.

समयः 34.55-36.12

जिज्ञासुः ब्रह्मा को काला मुँह और तीन पैर दिखाया?

बाबाः पांव माने क्या? पांव माने बुद्धि रूपी पांव। क्या? जो त्रिमूर्ति ब्रह्मा है वास्तव में भक्तिमार्ग वालो ने कह दिया त्रिमूर्ति ब्रह्मा। ब्रह्मा की तीन मूर्तियाँ। जैसे ब्रह्मा कुमारियाँ कहती है कि ब्रह्मा बाबा ही ब्रह्मा बनता है, ब्रह्मा ही सो विष्णु बनता है, और ब्रह्मा की ही आत्मा शंकर का पार्ट बजाती है। लेकिन वो तो भक्तिमार्ग की बात है। ऐसे नहीं है। इसलिए उन्होंने तीन पांव दिखाय दिये। पांव माने तीन प्रकार की बुद्धियाँ हैं ब्रह्मा की। ब्रह्मा जैसी बुद्धि, विष्णु जैसी बुद्धि और शंकर जैसी मिक्स बुद्धि। मिक्स पार्ट बजाने वाली।

Time: 34.55-36.12

Student: Brahma is shown to have a dark face and three legs.

Baba: What is meant by legs? Leg means leg like intellect. What? *Trimurty* Brahma. Actually, the people of the path of *bhakti* said *Trimurty* Brahma. Three personalities of Brahma. For example, Brahmakumaris say that Brahma Baba himself becomes Brahma; Brahma (Baba) himself becomes Vishnu and Brahma's soul itself plays the part of Shankar. But that is about the path of *bhakti*. It is not so. This is why they have shown three legs. Legs mean that Brahma has three kinds of intellects. Brahma like intellect, Vishnu like intellect and Shankar like mixed intellect. The one which plays a mixed part.

समयः 36.20-40.35

जिज्ञासुः बाबा, स्व मतलब भी आत्मा, पुरुष मतलब भी आत्मा। स्वार्थ और पुरुषार्थ दोनों का अर्थ अलग हुआ। स्व+अर्थ - स्वार्थ। पुरुष+अर्थ - पुरुषार्थ। दोनों में तो बहुत अंतर है। शब्द तो एक ही है ना बाबा। स्व मतलब भी आत्मा, पुरुष मतलब भई आत्मा।

बाबाः स्व रथ। स्व माने आत्मा नहीं। स्व रथ। आत्मा का रथ। वो स्त्री चोले का भी रथ हो सकता है। और स्व माने आत्मा रूपी पुरुष चोले का भई रथ हो सकता है। स्वार्थ माने स्व माने अपना और रथ माने रथ। अपना रथ। अगर आत्मा देहभान में है और चोला भी स्त्री है तो स्वार्थ माने हो जाता है स्त्री चोला। और कहने वाला स्व पुरुष है। और आत्मिक स्थिति में टिका हुआ है। तो उसका स्व रथ पुरुष रूपी रथ हो जाता है। अर्थ एक ही है। रथ माना शरीर।

Time: 36.20-40.35

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, *swa* means soul and *purush* also means soul. The meaning of *swarth* and *purusharth* is different. *Swa+arth = swarth. Purush+arth=purusharth*. There is a lot of difference between both of them. But the word is the same, isn't it Baba? *Swa* as well as *purush* means soul.
Baba: *Swa rath. Swa* does not mean soul. *Swa rath*. A soul's chariot (*rath*). It can be the chariot (i.e. body) of a female body as well. And *swa* means it can be the chariot of a male body as well. *Swarth* means – *swa,* i.e. own and rath means chariot. One's own chariot. If the soul is in body consciousness and if the body is female, then *swarth* means female body. And the speaker is *swa* (self), i.e. *purush* (soul). And if he is constant in soul conscious stage then his *swa rath* (own chariot) is the *purush* (i.e. soul) like chariot. It means one and the same. *Rath* means body.

दूसरा जिज्ञासुः पुरुषार्थी बोलते हैं ना। पुरुष माने आत्मा है और...
बाबाः पुरु ष अर्थ। ये स्व का अर्थ बोल रहे हैं। पुरुष नहीं बोल रहे हैं सिर्फ। पुरु माने? पुरी। ये शरीर रूपी पुरी। पुरी माने? जैसे कहते हैं जगन्नाथपुरी। शहर का नाम हो गया पुरी। तो ये शरीर रूपी पुरी हो गई। पुरु माने कोई शहर का नाम है। जैसे कानपुर। तो ऐसे ही पुरुष। पुरु माने रहने का स्थान। और ष माने षेयते - सोता है। आराम करता है। आनन्द करता है पुरी में। शहर के अन्दर रहकर के आराम करता है। जंगल में तो आराम मिलता नहीं। तो पुरुष अर्थात् इस शरीर रूपी पुरी में आराम करने वाला माने आत्मा। फिर उसके लिए कहा जाता पुरुषार्थ। पुरुषार्थ का मतलब ही हुआ - आत्मा के अर्थ जो किया जाता है। वो है पुरुषार्थ। और रथ के लिए जो किया जाता है वो है स्वार्थ। स्वार्थ और पुरुषार्थ में जमीन आसमान का अंतर है। स्वार्थ होता है सिर्फ एक जन्म के लिए क्योंकि आत्मा 84 जन्मों में वोही एक रहेगी। और रथ तो यहां का यहीं खलास होने वाला है। तो स्वार्थ के पीछे पड़ना अच्छा है? स्वार्थ अच्छी बात है? या परमार्थ या पुरुषार्थ अच्छी बात है? पुरुषार्थ अच्छी बात है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) दोनों एक ही नहीं है।

Second student: We say – *purusharthi*, don't we? *Purush* means soul and....
Baba: *'Puru' 'sha' 'arth'*. He is speaking about *'swa' 'arth'*. He is not speaking just about *purush*. What is meant by *puru? Pur* (abode). This body like abode. What is meant by *puri*? For example, they say Jagannathpuri (a holy city on the Eastern coast of India). For example Kanpur (a city in northern Indian state of Uttar Pradesh). So, similarly, *purush. Puru* means the place of residence. And *sha* means *sheyate* – sleeps, takes rest. He experiences joy in the abode. He takes rest while living in the city. One does not get rest in the jungle. So, *purush* means the soul that takes rest in this body like abode (*puri*). Then it is said *purusharth. Purusharth* means whatever is done for the sake of the soul. That is *purusharth*. And whatever is done for the *rath* (chariot, i.e. body) is called *swarth*. There is a vast difference between *swarth* and *purusharth. Swarth* is for just one birth because the soul remains the same for 84 births. And the chariot (*rath*) is going to perish

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

here itself. So, is it good to pursue *swarth* (selfishness)? Is selfishness good? Or is *parmarth* (selfless acts) or *purusharth* (efforts made for the soul) good? *Purusharth* is good. (Student said something) Both are not one and the same.

Extracts-Part-5

समयः 42.00-43.55

जिज्ञासुः बाबा, एक गीता पाठशाला में बूढ़ी माता है। वो बाबा का क्लास भी करती है। कोर्स भी किया है। मगर यहाँ आना चाहती है।

बाबाः किसने मना किया?

जिज्ञासुः 70 साल हो गया। वो माता के मन में इतना शक्ति है बाबा।

बाबाः जिसके गीतापाठशाला में रोज़ आने का प्रूफ है, रजिस्टर में रोज़ साइन में अंगूठा लगता है। तो उसको बाबा के सामने आने से कौन मना करता है? माना भट्ठी कर चुकी है कि नहीं?

जिज्ञासुः सोचता है कोई माता।

बाबाः भट्ठी कर चुकी कि नहीं?

जिज्ञासुः नहीं बाबा। वो करना चाहता है।

बाबाः तो दो-चार मिलकरके उसे भट्ठी करा दो। कोई जिम्मेवारी ले लो।

Time: 42.00-43.55
Student: Baba, there is an old mother in a *Gita pathshala*. She attends Baba's classes as well. She has also done the course. But she wants to come here.
Baba: Who has stopped her?
Student: She is 70 years old. That mother is mentally powerful Baba.
Baba: Who stops someone from coming in front of Baba in respect of whom there is proof that he comes to the *Gitapathshala* everyday and signs or applies thumb impression in the register? Has she done *bhatti* or not?
Student: Some mothers think so.
Baba: Has she done *bhatti* or not?
Student: No Baba. She wants to do.
Baba: So, two or four persons can help her in doing *bhatti*. One of you can take up the responsibility.

जिज्ञासुः कोई सोचता है - कोई शरीर वरीर छोड़ देगा तो कोई भाई ने ऐसा सोचता है।

बाबाः तो ये सोचता है ये अनुमान है और अनुमान से नुकसान हो रहा है उस आत्मा का।

जिज्ञासुः नुकसान तो हो रहा है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः तो फिर?

जिज्ञासुः बाबा भट्ठी के लिए आपका परमीशन है?

बाबाः बाबा की तो परमीशन है क्योंकि अमरनाथ की यात्रा पर अस्सी साल की बुढ़िया भी जाती रही है। वहाँ तो पैदल जाना पड़ता है चलकरके। अभी तो बहुत साधन बन गए हैं। जो लूले लंगड़े वृद्ध अपाहिज होते हैं उनको स्टेशनों पर और हवाई अड्डों पर उनको कुर्सी मिलती है स्पेशल। पैसा खर्च करो और आराम से जाओ। घर में इतना आराम नहीं मिलेगा जितना वहाँ सफर में आराम मिलेगा।

Student: Someone thinks – some brothers think that she may leave her body.
Baba: So, if someone thinks so, it is a guess and that guess is causing harm to that soul.
Student: She is suffering harm.
Baba: So, then?
Student: Baba, will you accord permission for her *bhatti*?
Baba: Baba's permission is already there because even eighty year old ladies have been going on the pilgrimage of Amarnath (a cave temple dedicated to Shiva on the snowy mountains of Kashmir). There, they have to go by walk. Now there are numerous means/facilities. The lame, aged, handicapped persons get special wheelchairs at stations and airports. If you spend money you can travel comfortably. You will not get as much comfort at home as you will get during your journey there.

समयः 43.58-46.40

जिज्ञासुः बाबा, जो गीता पाठशाला नज़दीकी है, झारखण्ड में तो एक ही दो है। और ....में तो एक ही है और बहुत दूर है।

बाबाः जो दूर है वहाँ सात दिन में एक बार, महीने में एक बार भी जाया जा सकता है। लेकिन रेगुलर। ऐसे नहीं महीने में या सात दिन में कभी एक बार गए, फिर दो-चार महीने के बाद गए। उसको रेगुलर नहीं कहेंगे।

जिज्ञासुः महीने में एक बार?

बाबाः अगर 4-6 घण्टे दूर है, 4 घण्टे दूर है और महीने में एक बार भी जाते रहे और लगातार जाते रहे। तो उसे रेगुलर ही कहेंगे।

जिज्ञासुः बाबा, वहाँ डेली क्लास नहीं होता है। सिर्फ हफ्ता में एक दिन क्लास होता है।

बाबाः वो दूर रहने वाला, वो डेली का सवाल ही नहीं है।

जिज्ञासुः नहीं, नहीं, वहाँ के लिए। वहाँ क्लास होता ही एक ही दिन है। वहाँ का वायब्रेशन ठीक नहीं है तो वहाँ किसी नए आत्मा को ले जाना अच्छा या डायरेक्ट ला सकते हैं मिनी मधुबन में?

बाबाः जहाँ का वायब्रेशन खराब है वहाँ का वायब्रेशन अच्छा बनाओ। बनाएगा कौन?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 43.58-46.40
Student: Baba, there are only one or two *Gitapathshalas* in Jharkhand (a state in Eastern India). And in..... there is only one and that too is very distant.
Baba: Wherever it is very distant, you can go once in seven days, once in a month as well. But regular. It should not happen that you go once in a month or seven days and then you go after two-four months. That will not be called regular.
Student: Once in a month?
Baba: If it is 4-6 hours away, 4 hours distant and if you have been going once in a month and if you have been going continuously, then it will be called regular only.
Student: Baba, daily class is not held there. Class is held only once in a week.
Baba: The question of daily does not arise at all for the one who lives far away.
Student: No, no. I am talking about that place. Class is held only once a week there. The vibration is not ok there. So, is it good to take any new soul there or can we bring him/her directly to the *minimadhuban*?
Baba: Improve the vibrations of the place where the vibrations are not good. Who will make?

जिज्ञासुः दूर है ना बाबा।
बाबाः हाँ, तो? अपने घर में खोल दो।
जिज्ञासुः अपने घर में कैसे खोल देंगे?
बाबाः क्यों?
जिज्ञासुः कुमार हैं ना।
बाबाः कुमार है तो पाण्डव भवन खोल दो। भाईयों का तो कल्याण हो जाएगा।
जिज्ञासुः माताओं का कैसे?
बाबाः माताओं-कन्याओं के लिए कोई माता बूढ़ी हो वो शक्ति भवन खोल दे। कन्याओं-माताओं का कल्याण हो जाएगा।
जिज्ञासुः परमीशन है?
बाबाः हाँ है परमीशन। लेकिन शक्ति भवन में कुमारों को जाना वर्जित। और पाण्डव भवन में कन्याओं-माताओं को जाना वर्जित। गइयों के बाड़े में बैल नहीं घुसने पाए। और बैलों को बाड़े में गैया नहीं जानी चाहिए। नहीं तो परमीशन कैंसिल। जिम्मेवार होंगे वो जो श्रीमत के बरखिलाफ कदम उठायेंगे।

Student: It is far away Baba, isn't it?
Baba: Yes; so? Open (a *gitapathshala*) in your home.
Student: How can I open at my home?
Baba: Why?
Student: I am a Kumar.
Baba: If you are a Kumar, you can open a *Pandav Bhavan*. Brothers will be benefited.
Student: What about the mothers?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: If there is an old mother, she can open a *shakti bhawan* for the mothers and virgins. Virgins and mothers will be benefited.
Student: Do we have your permission for this?
Baba: Yes, permission is granted. But *Kumars* are prohibited from going to *Shakti Bhawan*. And virgins and mothers are prohibited from going to *Pandav Bhavan*. Bulls should not enter the cowshed. And cows should not enter the bulls' shed. Otherwise, the permission will be cancelled. Those who raise steps against *shrimat* will be held responsible.

जिज्ञासुः फिर तो यहाँ देहभान आ जाता है। फिर तो यहाँ स्त्री और पुरुष को देख रहे हैं ना बाबा।

बाबाः माना बाबा देहभानी है? बाबा देहभानी है। पूछने वाला आत्माभिमानी है। वाह भाई वाह। ☺ चलो पूछने वाला पास हो गया। बाबा फेल हो गया। ☺ राम वाली आत्मा होगी ना।

Student: Then body consciousness arises here. Then Baba is seeing people as males and females.
Baba: Does it mean that Baba is body conscious? Baba is body conscious. The one asking this question is soul conscious. Wow brother wow.☺ OK the one asking the question has passed. Baba has failed. ☺The soul of Ram has failed.

समयः 47.48-50.00

जिज्ञासुः बाबा, यदि सेवा में, माताएं सेवा में निकल नहीं रही हैं तो वहाँ क्या करना चाहिए पाण्डवों को?

बाबाः पाण्डवों को? पाण्डवों को सबको संदेश मिल गया क्या? पाण्डवों को माताओं-कन्याओं की बड़ी चिन्ता रहती है। ☺अपने हमजिन्स की नहीं उतनी चिन्ता रहती। ☺(जिज्ञासु ने कुछ कहा) हाँ, कन्याएं, माताएं बहुत सुनती हैं। ☺ खास कर कुमारों की बातें। ☺वाह भई वाह। ☺ तुम तो सायकॉलॉजी अच्छी पढ़ी है। ☺ (जिज्ञासु ने कुछ कहा) काम की बात बताई है। वो काम की बात पूछता है। ☺ वो भी नियम बनाया हुआ है। कहीं माताएं ज्यादा हैं। ज्ञान सुनने वाली भी हैं, सुनाने वाली कोई माता कन्या नहीं निकल रही है। तो पाण्डवों का काम है कोई भी बूढ़ी माता को साथ लेकरके जाकरके सुनाएं। माता साथ में होनी चाहिए। सुना सकते हैं।

Time: 47.48-50.00
Student: Baba, if mothers are not coming out in service; then what should the Pandavas do under such circumstances?
Baba: The Pandavas? Did all the Pandavas get the message? Pandvas are very much worried about the mothers and virgins. ☺They are not so much concerned about their

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

own menfolk.☺ (Student said something) Yes, virgins and mothers listen a lot, ☺especially the words uttered by Kumars. ☺ Wow brother wow. ☺ You have studied psychology well. ☺ (Student said something) You have mentioned a useful topic. He is asking a useful question. ☺ A rule has been framed for that as well. Mothers are more in some places. They listen to knowledge; but a mother or virgin who can narrate are not emerging. So, it is the task of the Pandavas to go and narrate in the company of any aged mother. A mother should accompany him. He can narrate.

जिज्ञासुः माता भट्ठी की हुई हो ये जरूरी है?
बाबाः बिल्कुल होनी चाहिए। भट्ठी की हुई हो। रोज़ क्लास करने वाली भी हो।
जिज्ञासुः भट्ठी की हुई न हो और क्लास करती हो तो?
बाबाः बच्चा ही नहीं बनी तो उसको साथ लेने से क्या फायदा (जिज्ञासु ने कुछ कहा) बिल्कुल।
जिज्ञासुः ऐसे सिचुएशन में क्या किया जाए?
बाबाः सेवा करने के लिए भाई लोग भी तो हैं ढ़ेर सारे। पांचों उंगलियाँ एक जैसी होती हैं क्या? सब भाई एक जैसे होते हैं? हँ? नहीं। कोई पाण्डव होते हैं, कोई कौरव होते हैं, कोई यादव होते हैं। पाण्डव भी एक जैसे नहीं, कौरव भी एक जैसे नहीं, यादव भी एक जैसे नहीं।

Student: Is it necessary that the mother should have done *bhatti*?
Baba: She should definitely have done *bhatti*. She should also be attending classes daily.
Student: If she has not done *bhatti,* but attends the classes?
Baba: If she has not become a child at all, then what is the use of taking her with you? (Student said something) Definitely.
Student: What should be done in such a situation?
Baba: There are numerous brothers also yet to be served. Are all the fingers of a hand alike? Are all the brothers alike? Hm? No. Some are Pandavas, some are Kauravas, and some are Yadavas. Even the Pandavas are not alike. Kauravas are not alike, too. Yadavas are not alike, too.

Extracts-Part-6

समयः 50.35-55.25

जिज्ञासुः बाबा, ब्रह्मा को फालो करो। नहीं देखने से तो ब्रह्मा को फालो नहीं कर सकता है। ब्रह्मा को फालो करो बोला है एक वार्तालाप में। कोई बात समझाते-समझाते ब्रह्मा सो विष्णु को फालो करो ऐसे बात आ गई। वो बड़ी माँ हो गया। बाबा ने बोला है वो बड़ी माँ है। तो कैसे बड़ी माँ को फालो करें? उसको भी तो नहीं देखे?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः अच्छा। माने गांधी जी को जिन्होंने नहीं देखा है वो गांधीजी के जीवन को फालो नहीं कर सकते? गांधीजी के जीवन के बारे में सुना नहीं है? हँ? सुना है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा) अच्छा। माने जो चीज़ आँखों से देखी जाती है उसी को फालो किया जाता है? कानों से जिसको सुनते हैं वो फालो नहीं किया जा सकता? बुद्धि से जिसको समझते हैं उसको फालो नहीं किया जा सकता? इसका मतलब ये हुआ अंधों का तो डब्बा गोल हो गया। अंधों का डब्बा गोल हो गया। वो तो भगवान को याद ही नहीं कर सकते। वो ब्रह्मा को फालो ही नहीं कर सकते? अरे इतनी मुरलियाँ सुनी हैं, ब्रह्मा के चरित्र के बारे में जाना नहीं है?

Time: 50.35-55.25
Student: Baba, (we are asked to) follow Brahma. We cannot follow Brahma without seeing him. It has been said in a discussion that we should follow Brahma. While explaining on a topic, it was mentioned that we should follow Brahma who becomes Vishnu. That is the senior mother (*bari maa*). Baba has said that she is the senior mother. So, how should we follow the senior mother? We haven't seen her as well.
Baba: OK. Does it mean that those who haven't seen Gandhiji cannot follow the life of Gandhiji? Have you heard about the life of Gandhiji or not? Hm? You have heard. (Student said something) *Achcha*. Do you mean to say that we can follow only that thing which we have seen through our own eyes? Can't we follow someone whom we have heard through the ears? Can't we follow someone whom we understand through the intellect? It means that that the blind will fail. Blind persons will fail. They cannot remember God at all. Can't they follow Brahma at all? *Arey*, you have heard so many Murlis; have you not come to know of Brahma's character?

तुम्हारा असली ब्रह्मा कौन है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) नहीं। पहले ये बताओ, पहले सब बातों को छोड़ दो। असली ब्रह्मा कौनसी आत्मा है? उनको बोलने दो। अरे असली को याद करना है, फालो करना है या नकली को फालो करना है? बताओ कौन है असली ब्रह्मा? कौन है? (जिज्ञासु - दादा लेखराज) दादा लेखराज। तो उसी को फालो करना है। वो कैसे देखने को मिलेगा? (जिज्ञासु - उसने क्या किया?) सहन किया। जितना सहन और कोई ने भी नहीं किया। जगदम्बा ने भी नहीं किया, जगतमाता ने भी नहीं किया तो भारत माता ने भी नहीं किया। उसको फालो करना है। ये बात दूसरी है कि 63 जन्म हमारा हिसाब-किताब ज्यादा रहा वो ही ज्यादा याद आएगा।
जिज्ञासुः वो तो सामने होना चाहिए।
बाबाः ये कोई बात नहीं हुई कि ब्रह्मा हमारे सामने होगा प्रैक्टिकल में तब ही हम ब्रह्मा को फालो करेंगे। नहीं तो हम महाकाली को फालो करना शुरु कर देंगे। वो ही हमारी जगदम्बा है। वो ही हमारा ब्रह्मा है। ये कोई बात नहीं होती है। (जिज्ञासु ने कुछ कहा)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Who is your real Brahma? (Student said something) No. First tell me; first leave all other topics. Who is the soul of real Brahma? Let him speak. *Arey*, do you have to remember, follow the true one or the false one? Tell me who is the real Brahma? Who is it? (Student – Dada Lekhraj) Dada Lekhraj. So, should you follow him alone. How can you see him? (Student: What did he do?) He tolerated. Nobody else tolerated as much as he. Jagdamba did not tolerate, too. Neither Jagatmata nor Bharat Mata tolerated. You have to follow him. It is another issue that the one with whom we have more karmic accounts for 63 births will come to our mind more.
Student: He should be in front of us.
Baba: There is no sense in saying that we will follow Brahma only if Brahma is in front of us in practical. Otherwise, we will start following Mahakali. She is our Jagdamba; She is our Brahma. This does not sound sensible. (Student said something)

माने जो अंधे लोग हैं वो फालो नहीं कर सकते? उनका जीवन बरबाद हो गया? बाबा तो कहते यहाँ कोई अंधा हो, लूला हो, लंगड़ा हो, कोढ़ी हो, गरीब हो, अमीर हो, कोई भी ये पुरुषार्थ कर सकता है नर से नारायण बनने का। ये बात दूसरी हो सकती है कि हमारा पूर्व में 63 जन्मों में कोई का जगदम्बा के साथ ज्यादा लगाव रहा है, उसको जगदम्बा ही ब्रह्मा के रूप में अच्छी लगेगी। कोई का महाकाली के साथ लगाव रहा है। उसको वो ही माँ के रूप में अच्छी लगेगी। कोई का ब्रह्मा के साथ लगाव रहा है। वो ही माँ के रूप में अच्छी लगेगी। कोई का ओम राधे के साथ लगाव रहा है, तो उसको वो ही माँ के रूप में पसन्द आएगी, ब्रह्मा भी पसन्द नहीं आएगा। लेकिन मुरली में बोला है - ब्रह्मा को फालो करना है। तो ढूंढ़ना पड़े कि वास्तव में ब्रह्मा के रूप में पार्ट बजाने वाली आत्मा कौन है? वो असली जगदम्बा है कौन? मुरली में डेफिनेशन दी हुई है। वास्तव में ये ब्रह्मा ही तुम्हारी जगदम्बा है। परन्तु तन पुरुष का है. वो वास्तव वाले को फालो करना है या दूसरे को फालो करना है? वास्तव को ही फालो करना है। दूसरा कोई पार्टधारी हुआ ही नहीं दुनिया में जिसने इतना सहन किया हो। अगर कोई हुआ है बाहर की दुनिया में, बेसिक वालों की दुनिया में या एडवांस वालों की दुनिया में जिसने इतना सहन किया हो तो उसका नाम बताओ। है कोई? (जिज्ञासु - नहीं) कोई नहीं है। सहनशक्ति सब गुणों का राजा है। गुणनिधान देवता बनना है तो ब्रह्मा को फालो करना है।

Does it mean that the blind persons cannot follow? Is their life ruined? Baba says that whether someone is a blind, one-armed, lame, leper, poor, rich anyone can make efforts for the soul to change from a man to Narayan. It is another aspect that someone among us may have more karmic account of 63 births with Jagdamba; he/she would like Jagdamba in the form of Brahma. Someone has attachment with Mahakali. He/she would like her in the form of mother. Someone has attachment with Brahma; He will like only him in the form of a mother. Someone might have been attached to Om Radhey; so, he will like her in the form of a mother; he will not like even Brahma. But it has been said in the Murli –

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

You have to follow Brahma. So, you have to search that which soul plays the part in the form of Brahma? Who is that true Jagdamba? A definition has been given in the Murli. Actually, this Brahma is your Jagdamba. But the body is male. Do you have to follow that real one or any other? You have to follow the actual one. There is no other actor in the world who has tolerated so much. If there has been anyone who tolerated so much in the outside world, in the world of those who follow basic knowledge or in the world of those who follow advance knowledge, then tell me his name. Is there anyone? (Student: No) There is no one. The virtue of tolerance is a king of all the virtues. If you have to become a virtuous deity (*gun-nidhaan devta*) then you have to follow Brahma.

समयः 56.20-59.13

जिज्ञासुः पांच मुख वाला ब्रह्मा कौन है?

बाबाः पांच मुख वाला ब्रह्मा कौन है? एक आत्मा होगी या 5 आत्माएं होंगी? हँ? 5 आत्माओं का कॉम्बिनेशन 5 मुख वाला ब्रह्मा होगा या कोई? आत्मा पंचमुखी ब्रह्मा बन जाएगी? 5 आत्माओं के स्वभाव-संस्कार का कॉम्बिनेशन वो 5 मुख वाला ब्रह्मा बताय दिया। दो यज्ञ के आदि वाले ब्रह्मा सरस्वती तो हैं ही, लेकिन उनको पढ़ाई पढ़ाने वाले कौन थे? हँ? (जिज्ञासु - प्रजापिता) प्रजापिता और प्रजामाता। चार हो गए। और बीच में बन गई ओम राधे मम्मा। ये 5 आत्माएं हो गईं जो विष्णु की 4 भुजाएं और 4 भुजाओं को चलाने वाला एक मुख। पांच मुख वाले ब्रह्मा बन गए। विष्णु की चार भुजाएं हैं तो चार भुजाएं जडत्वमयी बुद्धि वाली हैं या संपूर्ण चैतन्य बुद्धि हैं? चार भुजाएं जिनकी बुद्धि पूरी-पूरी वो चैतन्य मुख वाली बुद्धि हैं या जड़त्वमयी बुद्धि हैं? (जिज्ञासु - चैतन्य) चैतन्य हैं? भुजाएं चैतन्य होती हैं या जड़ होती हैं? (जिज्ञासु - जड़) भुजाएं जड़ होती हैं। उनको चलाने वाली बुद्धि अलग होती है। वो विष्णु की चार भुजाएं अलग हैं। उन चार भुजाओं को चलाने वाला कोई चैतन्य बुद्धि आत्मा अलग है। इसलिए विष्णु के चार भुजाएं दिखाई जाती हैं। (जिज्ञासु - चार भुजाएं माता का पार्ट बजाती हैं) जी हाँ, चार भुजाएं जो हैं वो चारों की चारों भुजाएं माता का पार्ट बजाने वाली हैं क्योंकि ब्रह्मा माने पालना करने वाला या विनाश करने वाला? वो सब पालना करने वाली हैं विशेष। स्वर्ग का गेट खोलने वाली हैं।

Time: 56.20-59.13

Student: Who is the five headed Brahma?

Baba: Who is five headed Brahma? Will it be one soul or 5 souls? Hm? Will the five headed Brahma be a combination of 5 souls or anyone else? Will a soul become five headed Brahma? The combination of the nature and *sanskars* of five souls has been described as five headed Brahma. Two are Brahma and Saraswati from the beginning of the *yagya*, but who taught them knowledge? Hm? (Student: Prajapita) Prajapita and Prajamata. There are four. And in between is Om Radhey Mamma. These are the five

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

souls which are the four arms of Vishnu and one head that runs those four arms. They happen to be the five heads of Brahma. There are four arms of Vishnu; so do the four arms have non-living intellects or do they have completely dynamic/living intellect? (Student: Living) Are they living? Are the arms living or non-living? (Student: Non-living) Arms are non-living. The intellect that runs them is different. Those four arms of Vishnu are different. A living intellect soul that controls those four arms is different. This is why four arms of Vishnu are shown. (Student: Four arms play the part of mother) Yes. Four arms play the part of mother because does Brahma mean sustainer or destroyer? All of them are special sustainers. They open the gate of heaven.

समयः 59.30-01.00.25

जिज्ञासुः पांच तत्व होता है ना बाबा शरीर में। उसमें से आकाश तत्व किस प्रकार से है? आकाश तत्व किस तरह से है शरीर में?

बाबाः वैक्यूम नहीं है शरीर के अन्दर?

जिज्ञासुः कहाँ पर?

बाबाः पेट के अन्दर वैक्यूम नहीं है? दिमाग के अन्दर वैक्यूम कहीं नहीं है? वैक्यूम माने खाली हिस्सा।

जिज्ञासुः या तो ब्लड होगा या एयर होगा।

बाबाः एक अणु होता है ना उसमें भी वैक्यूम होता है, पांचों तत्व होते हैं। ऐसे नहीं कह सकते कि पृथ्वी में जल तत्व नहीं है, हवा तत्व नहीं है। एक-एक तत्व में पांचों तत्व समाए हुए हैं। जैसे रावण के पांच विकार संगठित होकरके कार्य करने में सिद्धहस्त हैं ऐसे ही ये पांचों तत्व भी मिल करके कार्य करते हैं।

Time: 59.30-01.00.25

Student: Baba, there are five elements in the body, aren't there? How is the element sky present in it? How is the element sky present in it?

Baba: Is there not vacuum in the body?

Student: Where?

Baba: Is there not vacuum in the stomach? Is there not vacuum anywhere in the brain? Vacuum means vacant space.

Student: There would be either blood or air.

Baba: There is an atom, isn't it? There is vacuum in it as well. There are all the five elements (in it). You cannot say that there isn't the element of water, element of air in Earth. All the five elements are contained in each element. Just as the five vices of Ravan are capable of working together similarly, all these five elements work together.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info